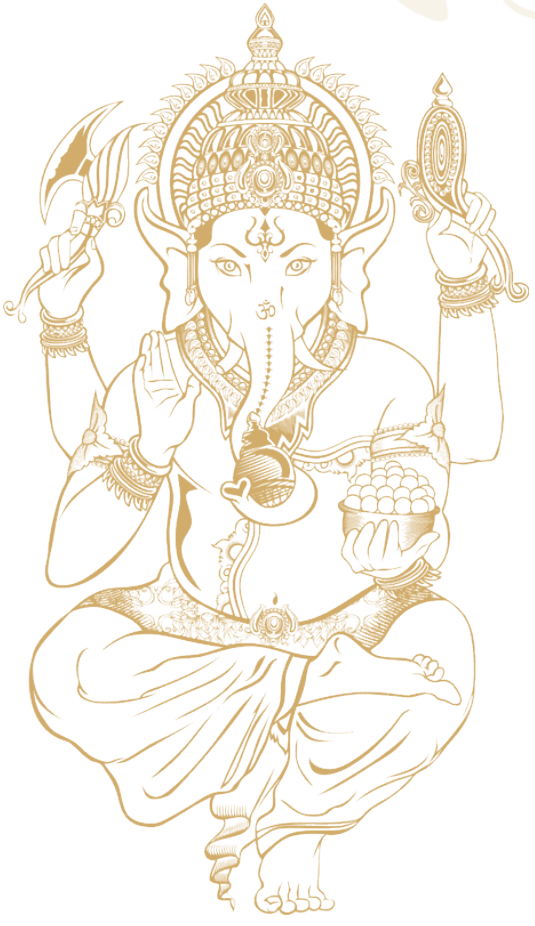

Mr.pankaj

18 Jan 2001

12:30 AM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 119316406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/01/2001**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:17:52 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:10:48 घंटे
वेलान्तर	-00:10:06 घंटे
साम्पातिक काल	07:59:52 घंटे
सूर्योदय	07:10:51 घंटे
सूर्यास्त	17:48:02 घंटे
दिनमान	10:37:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:52:22 मकर
लग्न के अंश	02:37:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	02:37:36	315:52:49	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
सूर्य			मक	03:52:22	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	19:03:56	12:46:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			तुला	20:45:32	00:34:06	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			मक	18:05:34	01:37:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		वृष	07:25:09	00:01:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	20:57:54	01:00:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	00:14:29	00:00:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:36:06	00:00:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:36:06	00:00:45	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	25:39:19	00:03:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	12:04:29	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:27:21	00:01:49	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	04:00:22	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:02

लग्न-चलित

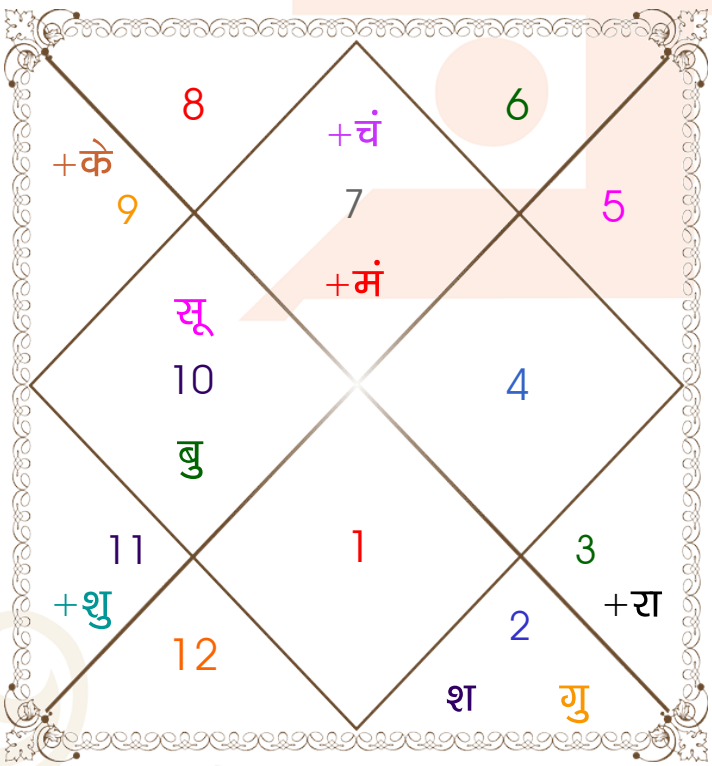

चन्द्र कुंडली

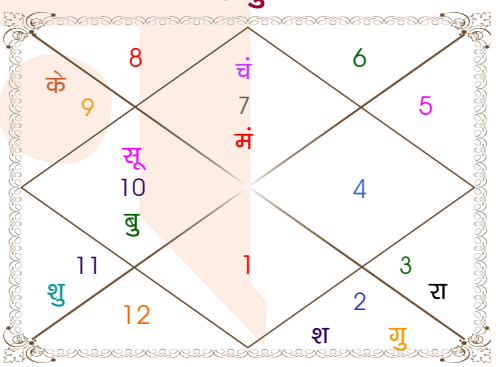

नवमांश कुंडली

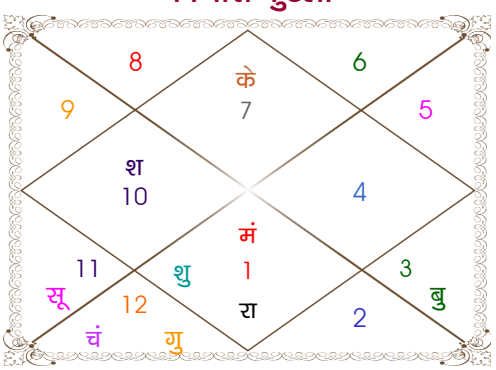

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 3 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/01/2001		23/04/2002		23/04/2018		23/04/2037		23/04/2054	
23/04/2002		23/04/2018		23/04/2037		23/04/2054		23/04/2061	
	00/00/0000	गुरु	11/06/2004	शनि	26/04/2021	बुध	20/09/2039	केतु	19/09/2054
	00/00/0000	शनि	23/12/2006	बुध	04/01/2024	केतु	16/09/2040	शुक्र	20/11/2055
	00/00/0000	बुध	30/03/2009	केतु	12/02/2025	शुक्र	18/07/2043	सूर्य	26/03/2056
	00/00/0000	केतु	06/03/2010	शुक्र	14/04/2028	सूर्य	23/05/2044	चंद्र	25/10/2056
	00/00/0000	शुक्र	04/11/2012	सूर्य	27/03/2029	चंद्र	23/10/2045	मंगल	24/03/2057
	00/00/0000	सूर्य	23/08/2013	चंद्र	26/10/2030	मंगल	20/10/2046	राहु	11/04/2058
	18/01/2001	चंद्र	23/12/2014	मंगल	05/12/2031	राहु	08/05/2049	गुरु	18/03/2059
चंद्र	05/04/2001	मंगल	29/11/2015	राहु	11/10/2034	गुरु	14/08/2051	शनि	26/04/2060
मंगल	23/04/2002	राहु	23/04/2018	गुरु	23/04/2037	शनि	23/04/2054	बुध	23/04/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/04/2061		23/04/2081		24/04/2087		23/04/2097		24/04/2104	
23/04/2081		24/04/2087		23/04/2097		24/04/2104		00/00/0000	
शुक्र	23/08/2064	सूर्य	11/08/2081	चंद्र	22/02/2088	मंगल	19/09/2097	राहु	05/01/2107
सूर्य	23/08/2065	चंद्र	09/02/2082	मंगल	22/09/2088	राहु	08/10/2098	गुरु	31/05/2109
चंद्र	24/04/2067	मंगल	17/06/2082	राहु	24/03/2090	गुरु	14/09/2099	शनि	06/04/2112
मंगल	23/06/2068	राहु	12/05/2083	गुरु	24/07/2091	शनि	23/10/2100	बुध	24/10/2114
राहु	23/06/2071	गुरु	28/02/2084	शनि	21/02/2093	बुध	21/10/2101	केतु	11/11/2115
गुरु	21/02/2074	शनि	09/02/2085	बुध	24/07/2094	केतु	19/03/2102	शुक्र	11/11/2118
शनि	23/04/2077	बुध	16/12/2085	केतु	22/02/2095	शुक्र	19/05/2103	सूर्य	06/10/2119
बुध	22/02/2080	केतु	23/04/2086	शुक्र	22/10/2096	सूर्य	24/09/2103	चंद्र	19/01/2121
केतु	23/04/2081	शुक्र	24/04/2087	सूर्य	23/04/2097	चंद्र	24/04/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।